सफलता के लिए खुला मन और अनुशासन जरूरी

इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने कहा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

हुब्बल्ली. इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने कहा है कि उद्योग में वैश्विक स्तर पर सफलता हासिल करने के लिए अनुशासन, खुला मन तथा रफ्तार जरूरी है।

शहर के इंफोसिस परिसर में देशपांडे फाउण्डेशन की ओर से आयोजित विकास संवाद में शनिवार शाम को 'दिग्गजों के साथ एक शाम' कार्यक्रम में नारायणमूर्ति ने कहा कि अनुशासन के बिना किसी भी व्यक्ति या देश के लिए सफलता हासिल करना संभव नहीं है। जाति, धर्म, भाषा की विविधिता से परे हर एक में दूसरों से सीखने का खुला मन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कल से आज और आज से कल की दुनिया बहुत तेजी से चलती है। इसके हिसाब से हमें अपनी कार्यक्षमता में रफ्तार बढ़ाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में महत्वाकांक्षा बड़ी होनी चाहिए।

जल संरक्षण में दें सरकार का साथ

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री कृष्ण बैरेगौड़ा ने कहा कि बार-बार पड़ रहे अकाल तथा मौसम के बदलाव से पेयजल की समस्या गम्भीर हो गई है। कार्पोरेट कम्पनियों को जल संरक्षण, जल साक्षरता के कार्य में सरकार का साथ देना चाहिए। देश में बड़ी संख्या में युवा हैं। युवा ही देश का भविष्य हैं। युवकों की उपलब्धि ही देश की उपलब्धि होती है। युवाओं के लिए सही मौकों का सृजन करना चाहिए।

राज्य सरकार के मुख्य सचिव टीएम विजय भास्कर ने कहा कि जीडीपी में कर्नाटक का हिस्सा घटते हुए 22 प्रतिशत आकर पहुंचा है। सेवा क्षेत्र का हिस्सा 6 8 प्रतिशत हो गया है। कर्नाटक सरकार ने उद्योग स्नेही नीतियों को लागू किया है। हुब्बल्ली का विकास होगा तो कर्नाटक का विकास होगा। दूसरे तथा तीसरे स्तर के शहरों की अनदेखी करने से एक राज्य का संपूर्ण विकास नहीं होगा।

उद्यमी भरत देसाई ने कहा कि दूसरे देशों में दूसरे तथा तीसरे स्तर के शहरों की परिकल्पना नहीं है। वहां की जनता अपने क्षेत्र के बारे में अपार गर्व रखती है। स्थानीय क्षेत्र को अधिक महत्व देते हैं। ऐसी परिकल्पना हम सभी में आनी चाहिए। इस अवसर पर लीड सफर से सफल व्यक्तियों को पुरस्कार दिया गया। अजय शुक्ला ने कार्यक्रम का संचालन किया। देशपांडे फाउण्डेशन के संस्थापक डॉ. गुरुराज देशपांडे ने संवाद का संचालन किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी दीपा चोळन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बीसी सतीश आदि उपस्थित थे। प्रतिष्ठान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक पवार ने आभार जताया।

खुद करें शहर की सफाई

इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने कहा कि हुब्बल्ली में पहले से सड़कों की हालत कुछ सुधरी है परन्तु पिछले दो दिन से हुब्बल्ली में घूमने पर हर कहीं कचरे के ढेर नजर आने लगे हैं। हुब्बल्ली की जनता को ही शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना चाहिए। कोई भी बाहर वाला आकर इसे करेगा यह उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। हमारी समस्याओं का समाधान हमें खुद करना चाहिए।